

डॉ. अगस्त कोकिल, नीतिवचन, सत्र 8

© 2024 अगस्त कोकिल और टेड हिल्डेब्रांट

यह नीतिवचन की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. ऑगस्ट कोकिल हैं। यह सत्र संख्या 8, चार लौकिक पाठ, नीतिवचन अध्याय 6, श्लोक 1 से 19 है।

नीतिवचन में आपका स्वागत है. हमने अध्याय 1 से 9 में नीतिवचन के परिचय में माता-पिता द्वारा बच्चे के साथ की गई 10 वार्ताओं, या जैसा कि हमने उनका वर्णन किया है, 10 व्याख्याओं की समीक्षा पूरी कर ली है। और हमने देखा है कि इन व्याख्याओं के भीतर विभिन्न अंतराल हैं। उनमें से एक जीवन का वृक्ष था, लेकिन दूसरा चार लौकिक पाठ है। इसलिए, हम नीतिवचन अध्याय 6 के पहले 19 छंदों में दिए गए चार अलग-अलग पाठों पर जाने के लिए बस थोड़ा सा समय लेंगे। इन छोटे पाठों में से पहला जो वास्तव में एक कहावत के रूप में आता है पैसे की समस्या है, और विशेष रूप से उधार लिए गए पैसे की समस्या है।

अब पैसे उधार लेने की प्रथा उतनी ही पुरानी है जितनी सभ्यता। यह उतना ही पुराना समय है जब पैसा कभी वस्तुओं के मूल्य के आदान-प्रदान का साधन बन गया था। यह वास्तव में 3,000 वर्ष ईसा पूर्व, शहरों, प्राचीन सामरिया और मिस्र के पुराने साम्राज्य काल के निर्माण के साथ हुआ था।

और जब कोई वस्तुओं के मूल्य के प्रतिनिधि के रूप में मुद्राओं के साथ व्यवहार कर रहा होता है, तो कभी-कभी उस मुद्रा को किसी चीज़ को प्राप्त करने के लिए एक प्रकार के मूल्य के रूप में उपयोग करने की आवश्यकता होती है, जब आपके पास वास्तव में इसे प्राप्त करने के साधन नहीं होते हैं। तो हम उसे ऋण कहते हैं। लेकिन निःसंदेह, ऋण के लिए कुछ प्रकार की सुरक्षा होनी चाहिए, अन्यथा, जिस व्यक्ति ने पैसा उधार लिया है वह डिफॉल्ट हो सकता है और फिर यह एक साधारण चोरी के समान हो जाएगा।

अब टोरा, मूसा की शिक्षा, ने इसके लिए प्रावधान किया। और हमारे पास व्यवस्थाविवरण की पुस्तक के भीतर है, और हम इसे भविष्यवक्ताओं में भी देखते हैं, किस तरह से उस धन के लिए सुरक्षा दी जाएगी जो किसी आवश्यकता के लिए उधार लिया गया था। यह उस मामले के लिए भोजन भी हो सकता है।

और फिर जब काम पूरा हो गया और वह पैसा चुकाया जा सकता था, सुरक्षा के लिए वस्तु, प्रतिज्ञा जैसी थी, वापस की जा सकती थी। अक्सर यह एक अंगरखा या बाहरी आवरण होता था। प्राचीन समय में, बाहरी आवरण या लबादा कुछ ऐसा होता था जिसे आप दिन के दौरान मौसम से सुरक्षा के लिए पहनते थे और रात के दौरान सोते थे।

तो, मूसा के टोरा में, अंगरखा, अगर अंगरखा सुरक्षा के लिए इस्तेमाल किया गया था, तो इसे हमेशा शाम तक वापस करना पड़ता था क्योंकि आप उस व्यक्ति के जीवन को खतरे में नहीं डाल सकते थे जिसने पैसे उधार लिए थे, उसके स्वास्थ्य को खतरे में डालकर। वह रात में गर्म नहीं रह पा रहा है। अतः इस प्रकार का विनियमन सर्वविदित था। लेकिन यह कहावत यहां

अध्याय छह के पहले छंदों में जिसके प्रति चेतावनी दे रही है, वही वास्तव में हमारे पास नीतिवचन 20 श्लोक 16 में है।

यदि आपने किसी विदेशी को पैसा उधार दिया है, तो आप इसे खोया हुआ भी मान सकते हैं। अब यहां परिकल्पित स्थिति यह है कि जिस व्यक्ति पर वास्तव में पैसा बकाया है, वह उस व्यक्ति के प्रति बाध्य महसूस नहीं करता है जो अब इसके लिए सुरक्षा की घोषणा कर रहा है। जिस अभ्यास की परिकल्पना की गई है वह एक प्रकार की मध्यस्थता है।

आपके पास कोई है जिसने इज़राइल के बाहर किसी को पैसा उधार दिया है, उसे विदेशी कहा जाता है, इसलिए वह वाचा के तहत बाध्य नहीं है। वह भाई नहीं है। और आप, किसी भी कारण से, उधार ली गई राशि को कवर करने के लिए पर्याप्त प्रतिज्ञा सुरक्षित करने में असमर्थ रहे हैं।

लेकिन आपको उस पैसे की ज़रूरत है और आप उसे वापस नहीं पा सकते। तो, अब आप अपने मित्र, अपने अनुबंधित भाई के पास जा रहे हैं, और आप उससे कह रहे हैं, देखो, इस आदमी के ऋण की सुरक्षा को कवर करो। खैर, यहां कहावत यह है कि यदि आप ऐसा करते हैं, तो बेहतर होगा कि आप अपने मित्र से उस पैसे को वापस पाने के लिए विनती करें, क्योंकि वह चला गया है।

जिस व्यक्ति पर वास्तव में पैसा बकाया है, वह आपके प्रति कोई दायित्व महसूस नहीं करता है, जिसने उसके लिए सुरक्षा प्रदान की है। और वह अपना ऋण चुकाने की कोशिश करने की जहमत भी नहीं उठाएगा। तो वह आवश्यक चेतावनी है जो इन पाँच श्लोकों में दी गई है।

लेकिन सबक बहुत सरल है, कि जब आप ऋण के लिए सुरक्षा देते हैं, तो आपके पास यह जानने का बेहतर साधन होगा कि यदि आप वह सुरक्षा खो देते हैं, तो इससे आपके जीवन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। यह किसी तरह विवेकाधीन आय या पैसा है जो आपके पास है। हमारी दूसरी छोटी सी कहावत काम और आलस्य से संबंधित है।

अब, यहां हम उस सिद्धांत पर आते हैं जिस पर हम इस श्रृंखला के अपने अंतिम व्याख्यान में चर्चा करने जा रहे हैं, अर्थात् कार्य के प्रति ज्ञान का दृष्टिकोण। यह वास्तव में सबसे महत्वपूर्ण विषय है क्योंकि काम एक ऐसी चीज़ है जो हर एक समाज का हिस्सा है। यह उन चीज़ों में से एक है जिसके बारे में हम व्यापक आर्थिक संदर्भ में सबसे अधिक बात करते हैं, हमारा सकल राष्ट्रीय उत्पाद।

और वह यह है कि हम अपने प्रयासों से और अपने काम से क्या उत्पादन कर रहे हैं जो कोई और चाहता है? जीवन के लिए काम एक आवश्यकता है। भगवान ने काम को अच्छा बनाने के लिए बनाया है। परमेश्वर ने कार्य को इस प्रकार डिज़ाइन किया है कि वह हमारे जीवन के लिए आनंददायक हो।

लेकिन निःसंदेह, यह कुछ और ही हो गया। यह कुछ ऐसा बन गया जिसे अक्सर परिश्रम या दर्द के रूप में वर्णित किया जाता है। इसके लिए हिब्रू शब्द वह है जो उत्पत्ति में आता है, और हम इसका अक्सर सामना करते हैं, और हम नीतिवचन में इसका सामना करते हैं।

एट्ज़ेव शब्द है। तो, भगवान एडम से कहते हैं कि क्योंकि आपने खुद को भगवान जैसा बना लिया है, इसलिए जमीन पर काम करना आपके लिए एक कठिन काम बन जाएगा। यह परिश्रम बन जाएगा।

यह एक संघर्ष बनने जा रहा है। यह दर्द बनने वाला है। जो ज्ञान आपने सोचा था कि आपके पास अच्छाई के बारे में है वह आपको जमीन से फसल लाने की कोशिश की परेशानी से पुरस्कृत करने जा रहा है।

और इसलिए, जब आप एक ऐसी फसल बोते हैं जिसमें ऐसे पौधे दिखाई देंगे जो आप नहीं चाहते थे, और आप उन्हें खरपतवार कहेंगे, और आप उन्हें कांटे कहेंगे, और आप उन्हें थीस्स कहेंगे, आपके पास वह ज्ञान नहीं है जिसका आप दावा कर रहे थे। और आपके काम का अब उतना लाभप्रद परिणाम नहीं मिलेगा, जितना होना चाहिए था। कई बार पुरस्कार के बदले आपको जो मिलने वाला है वह है संघर्ष।

हालाँकि, वह संघर्ष आवश्यक है। यह हमें नये नियम में मिलता है। प्रेरित पौलुस थिस्सलुनिकियों से कहता है कि उनके लिए काम करना आवश्यक है, और यदि वे काम नहीं करते हैं, तो वे खा नहीं सकते।

थिस्सलुनिकियों में से कुछ, यह पॉल के मंत्रालय के शुरुआती भाग में है, जहां वह स्पष्ट रूप से अनुमान लगा रहा है कि प्रभु का आगमन जल्द ही होने वाला है, और शायद इनमें से कई लोगों के जीवनकाल के भीतर, उनमें से कुछ को सोचने के लिए प्रेरित किया, ओह ठीक है, हम पहले ही इस दुनिया को छोड़ सकते हैं। हमें जीवन के सामान्य आदेशों पर ध्यान देने की आवश्यकता नहीं है, और हम अब काम नहीं करेंगे। और पॉल को कहना पड़ा, सुनो, जब हम तुम्हारे साथ थे, तो हमने अपना समय प्रचार करने में बिताया, और फिर हमने काम किया ताकि हमें प्रचार करने की स्वतंत्रता मिले।

और आप लोग जिन्होंने अब आस्था को चुन लिया है, उनके पास यह सोचने का विकल्प नहीं है कि आपको काम नहीं करना चाहिए। चींटियाँ। मैंने चींटियों को देखा है, उन जगहों पर जहां मैं उन्हें नहीं देखना चाहता था, अर्थात् मेरे घर की नींव के बगल में जहां वे आ रही हैं और मेरी पेंटी पर हमला कर रही हैं।

लेकिन वे सबसे जिज्ञासु छोटे जीव हैं। वे हमेशा चर्चा में रहते हैं। मेरा मतलब है, वे सभी बस मोटर चला रहे हैं, और वे सभी जानते हैं कि वे कहाँ जा रहे हैं, और वे सभी जानते हैं कि उन्हें क्या करना है, और वे सभी इतना बड़ा भार उठा रहे हैं जो कि तीन हैं वे जितने बड़े हैं।

और आप खुद से पूछें, अब ये छोटे जीव यह सब क्यों कर रहे हैं? और उनमें से कुछ ड्रोन मधुमक्खी की तरह क्यों नहीं हो जाते, आप जानते हैं, बस किनारे पर बैठ जाएं और किसी और को उनके लिए भार उठाने दें? लेकिन आपको ऐसी चींटी कभी नहीं मिलेगी। चींटियाँ ऐसी नहीं होतीं। और बुद्धि लेखक कह रहे हैं, ठीक है, मानव जीवन का एक उदाहरण यह है कि आपके पास ड्रोन मधुमक्खी बनने का विकल्प नहीं है।

अब, मैं अक्सर उन ड्रोन मधुमक्खियों के बारे में सोचता हूँ, आप जानते हैं, उन्हें बस यह सुनिश्चित करना है कि रानी के पास निषेचित अंडे हों। मुझे यह कोई बहुत बड़ा काम नहीं लगता। लेकिन किसी न किसी तरह, यह उनकी भूमिका है।

वे यही करते हैं। लेकिन आपको ऐसी चींटियाँ नहीं मिलतीं। और बुद्धि लेखक का कहना है कि लोग चींटियों की तरह अधिक हैं।

वे मधुमक्खियों की तरह नहीं हैं। इस संबंध में लोगों को सही समय पर, सही तरीके से और क्रम से काम करना होगा। और अगर आप ऐसा नहीं करेंगे तो गरीबी दस्तक देने वाली है।

नीतिवचनों में इसे इसी प्रकार अनेक बार व्यक्त किया गया है। हम अपने अंतिम व्याख्यान में उस पर वापस आएंगे। फिर ऐसे लोग भी होते हैं जो हमेशा किसी न किसी ऐसी योजना के लिए तैयार रहते हैं जो उन्हें लगता है कि उनके लिए सबसे अच्छी होगी।

और इसलिए, वे अपनी आँखें सिकोड़ते हैं, अपने पैरों को हिलाते हैं, अपनी उंगलियों से इशारा करते हैं। ये सभी संचार के गुप्त तरीके हैं, किसी योजना पर काम करने के गुप्त तरीके हैं ताकि आप एक ऐसी साजिश रच सकें जिससे आप किसी और का फायदा उठाने में सक्षम हो सकें। इससे परेशानी के अलावा कभी कुछ नहीं होता।

इससे विपत्ति के अलावा और कुछ नहीं होता। मैं एक तरह से पीजी वुडहाउस का प्रशंसक बन गया हूँ। और उनका एक किरदार उक्रिज नाम का लड़का है।

और यदि आप कभी भी उपद्रवी का उदाहरण चाहते हैं, तो आपको उक्रिज की कहानियों में से एक को पढ़ना होगा। लेकिन हमेशा, उसके पास एक योजना होती है। और वह बड़ी रकम कमाने में सक्षम होने जा रहा है।

आम तौर पर, वह कई अन्य लोगों को अपनी योजना में फँसाता है। और निश्चित रूप से, यह उसके साथ-साथ उसके सभी दोस्तों के लिए भी विनाशकारी है। पीजी वुडहाउस ने इसे अच्छी तरह से समझा।

उक्रिज एक उपद्रवी था जो हमेशा अपने दोस्तों को बेकार की योजना में फँसा सकता था। और फिर ऐसी चीज़ें भी हैं जिनसे प्रभु घृणा करते हैं। सात घृणित काम।

हम सात घातक पापों के बारे में बात करते हैं। खैर, नीतिवचन में सात घृणित बातें हैं। अभिमान, झूठ, हत्या, विकृत योजनाएँ, उपद्रवी, झूठी गवाही, और मित्रों के बीच कलह भड़काना।

और यह दिलचस्प है कि शरीर के अंगों में आँखें, जीभ, हाथ, हृदय, पैर और मुँह शामिल हैं। तो, यह स्पष्ट रूप से एक बहुत ही सुंदर ढंग से बनाया गया छोटा सा अनुक्रम है जिसमें आपको यह जानने का निर्देश दिया जाता है कि यह उस प्रकार का व्यक्ति है जैसा आप नहीं बनना चाहते हैं। इन सातों घृणित कामों से दूर रहो।

यह बुद्धिमान शिक्षक की सलाह है.

यह नीतिवचन की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. ऑगस्ट कुंकेल हैं। यह सत्र संख्या 8, चार लौकिक पाठ, नीतिवचन अध्याय 6, श्लोक 1 से 19 है।